कान्हा टाइगर रिजर्व के अन्तर्गत घोरेला बोर्ड में बाघ की रीवाइल्डिंग (Tiger Rewilding) कार्य में राज्य वन अनुसंधान संस्थान द्वारा तकनीकी सहयोग

वन्यप्राणी प्रबंधन में मध्यप्रदेश वन विभाग, देश में हमेशा अग्रणी भूमिका निभाता आया है। उसी दिशा में कान्हा टाईगर रिजर्व के अंतर्गत घोरेला इनक्लोजर में एक नर बाघ शावक को टाईगर रिजर्व प्रबंधन द्वारा रेसक्यू कर सेमीकेप्टिव कंडीशन में पालन कर जंगल के प्राकृतिक वातावरण में दिनांक 23 जनवरी 2025 को छोड़ा गया है, ताकि वह अपने जीवनशैली प्राकृतिक तौर पर बरकरार रख पाये। इस संपूर्ण प्रक्रिया को रीवाइल्डिंग कहा जाता है। जिसमें बाघ को निगरानी हेतु रेडियों कॉलर पहनाया जाता है। उक्त रेडियो कॉलर पहनाने एवं तत्संबंध तकनीकी कार्य में सहायता संस्थान के वन्यप्राणी प्रभाग के वैज्ञानिक डॉ. अनिरूध्द मजूमदार द्वारा संपादन किया गया है।